A-0396

Total Pages : 4 **Roll No. ----------**

MAJY-505

भारतीय ज्योतिष का परिचय एवं इतिहास–02

MA Jyotish (MAJY)

2nd Semester, Examination 2024 (Dec.)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 70

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

P.T.O.

खण्ड–'क'

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x19=38]

Q.1. प्राचीन मत के अनुसार सृष्टि के सिद्धान्त का वर्णन कीजिए।

Q.2. शैक्षणिक क्षेत्र में ज्योतिष शास्त्र की उपयोगिताओं का वर्णन कीजिए।

Q.3. काल को परिभाषित करते हुये उसके भेदों का वर्णन कीजिए।

Q.4. नवग्रह शांति में मंत्रों की भूमिकाओं का वर्णन कीजिए।

Q.5. ज्योतिषशास्त्र मानव की समस्याओं का समाधान कैसे करता है? विवेचन कीजिए।

खण्ड–'ख'

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x8=32]

Q.1. आधुनिक युग में ज्योतिषशास्त्र की उपादेयता का प्रतिपादन कीजिए।

Q.2. ग्रहों के शान्ति हेतु किस काष्ठ एवं धातु का प्रयोग किया जाता है? विवेचन कीजिए।

Q.3. दिग् व्यवस्था एवं उसके भेदों का निरूपण कीजिए।

Q.4. चंद्रमा की भौतिक परिस्थितियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

P.T.O.

Q.5. प्राचीन मत के अनुसार प्रलय के स्वरूप का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

Q.6. पाश्चात्य मत के अनुसार सूर्यादि ग्रहों की कक्षा क्रम का निरूपण कीजिए।

Q.7. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार औषधि सेवन कब और कैसे करना चाहिए? विवेचन कीजिए।

Q.8. माणिक्य एवं पन्ना के शुभ एंव अशुभ लक्षणों का प्रतिपादन कीजिए।

****